Answer - no - 9

Sterling Boiler := स्टर्लिंग बायलर पर चढ़नार तथा उप साधन लगे होते है। जल संभरण के लिए ड्रम के पिछले भाग मे चेक वाल्व लगा होता है प्रत्येक ड्रम पर सुरक्षा वल्व जल सूचक तथा दाब गेज लगे होते है भाप ड्रमो की लम्बाई भाप ड्रमों के एक सिरे पर सुरक्षा वाल्व जल लगे ~~छिद्र~~ छिद्र से करते है

La-mont Boiler := इस बायलर मे एक भाप ड्रम होता है इस ड्रम के अन्दर संभरण जल मितव्ययोजक के माध्यम से आता है भाप ड्रम संभरण जल को उच्चदाब पर जल नालियों मे परिसचरित करता है यह क्रिया अपकेन्द्री पम्प की सहायता से किया जाता है परिसंचरित्र पम्प से जल निकल हेडर से होते हुए आरिफिस के माध्यम से विभिन्न नालियों जाता है इस प्रकार जल तथा भाप का मिश्रण विभिन्न नलियों के माध्यम से ड्रम मे वापस आ जाता है।

कॉकरन बायलर (Cochran Boiler) :-> कॉकरन बायलर एक बड़े बेलनाकार खोल के समान एवं गुम्बदनुमा आकृति का होता है इस गुम्बद नुमा आकृति के सबसे ऊपर ऊष्मा को चिमनी द्वारा वायुमण्डल में निकलने की व्यवस्था होती है इसका शीर्ष अर्द्ध गोलीय आकार का होता है खोल के निचले भाग पर भट्ठी होती है। इसमें राख गर्त तथा जाली बनी है ईंधन गैसों की ऊष्मा अग्नि - नालियों को अ[illegible] की जाती है जिससे खोल में भरा पानी गर्म होता है और भाप बनती है रोक - वाल्व के द्वारा खोल के अर्द्ध - शीर्ष भाग में भाप एकत्र हो जाती है चिमनी में एक डैम्पर लगा होता है जो प्रवात उत्पन्न करके भट्ठी में वायु के चूषण के नियंत्रण के साथ -2 फ्लू गैस के निकास का भी नियंत्रण करता है।